



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

ब्राह्मण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 61] नई दिल्ली, शुक्रवार, दार्श 15, 1974/फाल्गुन 24, 1895

No. 61] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 15, 1974/PHALGUNA 24, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जारी हैं तिससे इन युक्त अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th March 1974

G.S.R. 132(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 47 of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Open Lines (Railways in India) General Rules, 1929, published with the notification of the Government of India in the late Railway Department (Railway Board) No. 1078-T, dated the 9th March, 1929, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Open Lines (Railways in India) General Amendment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Amendment of rule 144.—In part 1 of the Open Lines (Railways in India) General Rules, 1929 (hereinafter referred to as the said rules) in rule 144 for sub-clause (i) of clause (a), the following sub-clause shall be substituted, namely:—

“(i) in the case of an engine with vehicles attached, save in a case to which sub-rule (b) applies, at least one red tail-light and, two side-lights showing red towards the rear and white towards the engine:

Provided that in case of emergency, provision of side-lights on goods trains may be dispensed with under special instructions.”

3. Amendment of rule 112.—In rule 112 of the said rules, for the word ‘couplings’ wherever it occurs, the words ‘coupling or couplings’ shall be substituted.

[No. 72/Safety(A&R)/29/15(60)]

A. L. GUPTA, Secy.

रेल अधिनियम

(रेलवे बोर्ड)

अधिसूचना

तई दिल्ली, 14 मार्च, 1974

सां. का० नि० 132 (म)।—भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 47 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व रेल विभाग (रेलवे बोर्ड) की 9 मार्च 1929 की अधिसूचना सं० 1078—टी के साथ प्रकाशित, चालू लाइन (भारत की रेलें) सामान्य नियम, 1929 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ।—(1) ये नियम चालू लाइन (भारत की रेलें) सामान्य संशोधन नियम, 1974 कहे जा सकेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवत्त होंगे।

2. नियम 144 का संशोधन : चालू लाइन (भारत की रेलें) सामान्य नियम, 1929 (जिन्हे इसमें इसके आगे उक्त नियम कहा गया है) के भाग 1, नियम 144 में, खण्ड (क) के उप-खण्ड (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप-खण्ड प्रति स्थापित किया जायेगा; अर्थात् :—

“(1) सिवाय उस रुशा के, जिसमें उप-नियम (ख) लागू होता है, यदि इंजन के साथ वाहन लगे हों तो एक लाल पिछली-बत्ती और बगल की दो बत्तियां, जो फीले की ओर लाल और इंजन की ओर सफेद रंग की हों।

परन्तु ग्रामातिक स्थिति में, विशेष अनुदेशों के अधीन, मालगाड़ियां बगल की बत्तियों के बिना धक्कायी जा सकती हैं।”

3. नियम 112 का संशोधन— उक्त नियमों के नियम 112 में शब्द ‘के’ के स्थान पर शब्द ‘के या का’ और शब्द ‘हों’ के स्थान पर शब्द ‘हो या हों’ प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

[स० 72/संफर्ट (ए पृष्ठ आर) / (66) / 29/15]

अनुत लाल गुप्ता, अधिकारी।